बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-823
26/11/2026

बेतिया में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुये मुख्यमंत्री, कहा– सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध

मुख्य बिंदु–

- मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने संविधान दिवस पर बेतिया में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में भाग लिया। सागर पोखरा से राज देवढ़ी परिसर तक लगभग दो किलोमीटर की पदयात्रा निकाली गई।
- वाल्मीकिनगर से सोनपुर तक बांध निर्माण की योजना से बाढ़ की समस्या के समाधान का प्रयास।
- वाल्मीकिनगर को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा।

पटना, 26 नवम्बर 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी आज संविधान दिवस के अवसर पर पश्चिम चंपारण के बेतिया में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन0डी0ए0) पश्चिम चंपारण द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा सह 'संविधान गौरव दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए।

पदयात्रा बेतिया स्थित सागर पोखरा से प्रारंभ होकर राज देवढ़ी परिसर पहुंची। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लगभग दो किलोमीटर तक पदयात्रा की। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर, माला पहनाकर एवं उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में आम नागरिकों एवं एन0डी0ए0 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पदयात्रा के पश्चात् राज देवढ़ी परिसर में आयोजित संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपारण की पावन धरती ऐतिहासिक और अनूठी है। इसी धरती ने महात्मा गांधी जी को बापू बनाया और देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। आज की पदयात्रा में चंपारण की जनता का व्यापक समर्थन यह दर्शाता है कि यहां के लोग लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर ने देश को संविधान समर्पित किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में 26 नवंबर को

संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिये प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रदान की है। वर्ष 1974 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार की धरती से लोकतंत्र की रक्षा के लिए आंदोलन शुरू हुआ था। वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लगाया गया, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस0आई0आर0) को लेकर विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाया गया। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि किसी भी वैध मतदाता का नाम नहीं हटाया गया। मतदाता सूची से हटाए गए नामों में लगभग 36 लाख स्थायी रूप से स्थानांतरित, 22 लाख मृत तथा 7 लाख दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता शामिल थे। बिहार की जनता ने वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में एन0डी0ए0 को अपना समर्थन देते हुए 202 सीटों पर जीत दिलाई। जनता के इस विश्वास के अनुरूप बिहार के विकास को नई गति देना सरकार का संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराना है, इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। बिहार में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई स्थानों पर सीमेंट फैक्ट्रियां शुरू की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वैशाली आगमन के दौरान 1200 एकड़ भूमि पर इलेक्ट्रॉनिक पार्क स्थापित करने की घोषणा की गई है। इसमें लगभग 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है तथा एक लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 31 मार्च, 2027 तक एक करोड़ गरीब एवं पात्र परिवारों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक लगभग 25 लाख परिवारों को राशन कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है। पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शुरू किए गए सहयोग कार्यक्रम में लगभग 10.50 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 10 लाख 12 हजार आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। आवेदनों के निष्पादन की समय–सीमा 30 दिन निर्धारित की गई है। निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं करने तथा गलत आदेश जारी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में 700 मॉडल विद्यालयों के रूप में सरस्वती विद्या निकेतन शुरू किए गए हैं। इनमें ऑनलाइन शिक्षक और कंप्यूटरीकृत पठन–पाठन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों को आवश्यकता पड़ने पर रात में भी ऑनलाइन शिक्षकों से पढ़ाई में सहायता मिल सकेगी। राज्य के 211 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज स्थापित किए गए हैं तथा उनमें शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। पुराने डिग्री कॉलेजों में 10 हजार प्रोफेसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही है। सरकार का प्रयास है कि बिहार के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम चंपारण सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए वाल्मीकिनगर और रक्सौल में एयरपोर्ट निर्माण की दिशा में काम आगे बढ़ रहा है। नेपाल में अत्यधिक वर्षा के कारण बिहार में बाढ़ की समस्या उत्पन्न होती है। इससे लोगों को राहत दिलाने के लिए वाल्मीकिनगर से सोनपुर तक बांध बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि नदी की गाद अथवा वर्षा के कारण फसल क्षति होने पर वे प्रखंड कार्यालय में आवेदन करें। पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन विकास की चर्चा करते हुए कहा कि वाल्मीकिनगर की धरती धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह माता सीता और लव–कुश की स्मृतियों से जुड़ी हुई है। इस क्षेत्र को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां लव–कुश पार्क बनाए जा रहे हैं तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए होटल सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा भी यहां स्थापित कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर ने देश में लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा समाज के सभी वर्गों को समान सम्मान दिलाने का सपना देखा था। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ देश और बिहार को आगे बढ़ाने का काम हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पिछले 12 वर्षों में बिहार में 65 लाख परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 45 लाख पक्के मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है। बिहार की लगभग 14 करोड़ आबादी में से 10 करोड़ लोगों को केंद्र सरकार की ओर से इलाज और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पहले भी आंदोलन हुए हैं और आगे भी लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री आदरणीय श्री अमित शाह जी और तत्कालीन मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के प्रयासों से अयोध्या के श्रीराम मंदिर की तर्ज पर सीतामढ़ी में भव्य सीता मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। यह बिहार की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

कार्यक्रम को केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, सांसद श्री सुनील कुमार तथा विधायक श्री मंगल पांडेय ने भी संबोधित किया।

पश्चिम चंपारण आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नेताओं एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं फूलमाला भेंटकर स्वागत किया।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री तथा पश्चिम चंपारण जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखेन्द्र कुमार रौशन, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री श्री नरेंद्र किशोर राम, सांसद डॉ0 संजय जायसवाल, सांसद श्री सुनील कुमार, विधायक श्रीमती रेणु देवी, विधायक श्री मंगल पांडेय, विधायक श्री संजय कुमार पांडेय, विधायक श्री राम सिंह, विधायक श्री विनय बिहारी, विधायक श्री नारायण प्रसाद, विधायक श्री समृद्ध वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

******